This question paper contains 8+2 printed pages]

आपका अनुक्रमांक..................

881

B.A. (Prog.)/II **D**

HINDI DISCIPLINE—Paper II

हिंदी अनुशासन-प्रश्नपत्र II

(हिंदी गद्य विधाएँ, उपन्यास और हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास)

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी:— प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8+8

(क) मजदूरी तो मनुष्य के समष्टि रूप का व्यष्टि रूप परिणाम है, आत्मारूपी धातु के गढ़े हुए सिक्के का नकदी बयान है, जो मनुष्यों की आत्माओं को खरीदने के वास्ते दिया जाता है। सच्ची मित्रता ही तो सेवा है। उससे मनुष्यों के हृदय पर सच्चा राज्य हो सकता है। जाति-पाँति, रूप-रंग, और नाम-धाम तथा बाप-दादे का नाम पूछे बिना ही अपने आपको किसी के हवाले कर देना प्रेम-धर्म का तत्त्व है। जिस समाज में इस तरह के प्रेम-धर्म का राज्य होता है, उसका हर कोई हर किसी को बिना उसका नाम-धाम पूछे ही पहचानता है।

अथवा

साहित्यिक बहसों और आलोचनाओं में जब-जब कम्युनिस्ट लेखकों पर 'कट्टरता' या 'संकीर्णता' का आरोप लगाया जाता है, अक्सर मेरा ध्यान ब्रेख्त पर चला जाता है। नाटक

की समस्त परंपरागत मान-मर्यादाओं को तोड़कर उसे बीसवीं सदी के विशिष्ट प्रतीक के रूप में सर्वथा नया मोड़ देने वाला यह जर्मन लेखक एक फासिस्ट-विरोधी, कम्युनिस्ट भी हो सकता है, पश्चिम के आलोचकों के लिए यह हमेशा एक विवादास्पद विषय रहा है। आश्चर्य नहीं कि अभी तक समाजवादी देशों में भी उनके क्रांतिकारी प्रयोगों का ठीक से मूल्यांकन नहीं हो पाया।

(ख) वह दुर्बल और बूढ़े आदमी थे, इसलिए उनसे तेज क्या दौड़ा जाता, वह पैरों में फुर्ती लाने के लिए अपने हाथों को इस तरह भाँज रहे थे, जैसे कोई रोगी, मरियल लड़का अपने साथियों के बीच खेल-कूद के दौरान में कोई हल्की-फुल्की शरारत करने के बाद तेजी से दौड़ने के लिए गर्दन को झुकाकर हाथों को चक्र की भाँति घुमाता है। उनके पैर थप-थप की आवाज के साथ प्लेटफार्म

पर गिर रहे थे और उनकी हरकतों का उनके मुख पर कोई विशेष प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं हो रहा था, बस यही मालूम होता कि वह कुछ परेशान है।

अथवा

जीवन की कुछ भूलें ऐसी होती हैं, जिनका पूर्ण प्रतिकार कभी नहीं हो पाता। इन्हीं में घबराकर, फिर अवसर पाने की कामना से, मनुष्य ने पुनर्जन्म की कल्पना की हो तो कोई आश्चर्य नहीं। कर्कल से लेकर पिताजी तक कितने ही लोग हैं, जिनसे उऋण होने का, जिनके लिए कुछ करने का, जिन्हें कुछ स्पष्टीकरण देने का अवसर मैं पाना ही चाहूँगा। शायद कभी मिले भी। इतना मेरा तर्क भी मानता है कि कामना, आकांक्षा, इच्छा या चाह एक शक्ति, फोर्स को जन्म देती है, जो बिना कुछ परिणाम दिखाए नष्ट नहीं हो सकती ।

2. (क) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4

(*i*) 'बंगाल के अकाल' में वर्णित विभिन्न परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए।

(*ii*) 'वापसी' कहानी वृद्ध समाज की उपेक्षित स्थितियों का चित्रांकन है। स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) 'डिप्टी कलक्टरी' कहानी मध्यवर्गीय जीवन के अधूरे सपनों का यथार्थ चित्रण है। विवेचना कीजिए।

(*iv*) 'मजदूरी और प्रेम' के आधार पर जीवन में परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(*v*) 'अशोक के फूल' निबंध के माध्यम से लेखक क्या संदेश प्रेषित करना चाहता है ?

(*vi*) 'सूखी डाली' एकांकी में किन मध्यवर्गीय पारिवारिक समस्याओं का चित्रण हुआ है ?

(*vii*) " 'राधा' और 'महारानी' पात्रों के माध्यम से बच्चन जी ने विधवाओं की दुर्दशा की ओर संकेत किया है।" इस कथन की सत्यता पर प्रकाश डालिए।

(ख) किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×1

(*i*) 'अंधकार में जो साहस नहीं हारता, वही वीर है'—कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) 'जो अनुरक्त नहीं वह विरक्त माना जाएगा'—कथन किसके संदर्भ में कहा गया है ?

(*iii*) ठाकुर के कुएँ पर गंगी के अतिरिक्त और कितनी स्त्रियाँ पानी भरने पहुँची थीं' ?

(*iv*) लेखक ने शिद्धिरगंज की तुलना किससे की ?

(*v*) मनुष्य की पूजा ईश्वर की पूजा कैसे है ?

(*vi*) हरिवंशराय बच्चन के माता-पिता का नाम बताइए।

(*vii*) 'मैं तो पेंशन की दरख्वास्तों में अटका हूँ'—कथन किसने और किस संदर्भ में कहा है ?

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

(*i*) मानव जीवन की सबसे महान् घटना कितनी शान्ति के साथ घटित हो जाती है। वह विश्व का एक महान् अंग, वह महत्त्वाकांक्षाओं का प्रचण्ड सागर, वह उद्योग का अनन्त भण्डार, वह प्रेम और द्वेष, सुख और दुख का लीला क्षेत्र, वह बुद्धि और बल की रंगभूमि न जाने कब और कहाँ लीन हो जाती है, किसी को खबर नहीं होती। एक हिचकी भी नहीं, एक उच्छ्वास भी नहीं, एक आह भी नहीं निकलती। सागर की हिलोरों का कहाँ अंत होता है, कौन बता सकता है। ध्वनि कहाँ वायु-मग्न हो जाती है, कौन जानता है। मानवीय जीवन उस हिलोर के सिवा, उस ध्वनि के सिवा और क्या है।

(*ii*) यह समझ लीजिए कि जिस देश में स्त्रियों की जितनी अधिक स्वाधीनता है, वह देश उतना ही सभ्य है। स्त्रियों

को कैद में, परदे में, या पुरुषों से कोसों दूर रखने का तात्पर्य यही निकलता है कि आपके यहाँ जनता इतनी आचारभ्रष्ट है कि स्त्रियों का अपमान करने में जरा भी संकोच नहीं करती। युवकों के लिए राजनीति, धर्म, ललित-कला, साहित्य, दर्शन, इतिहास, विज्ञान और हजारों ही ऐसे विषय हैं, जिनके आधार पर वे युवतियों से गहरी दोस्ती पैदा कर सकते हैं।

(*iii*) एक अध्याय था, जिसे समाप्त होना था और वह हो गया। दस वर्ष का यह विवाहित जीवन—एक अँधेरी सुरंग में चलते चले जाने की अनुभूति से भिन्न न था। आज जैसे एकाएक वह उसके अंतिम छोर पर आ गई है। पर आ पहुँचने का संतोष भी तो नहीं है, ढकेल दिए जाने की विवश कचोट-भर है। पर कैसा है यह छोर ? न प्रकाश, न वह खुलापन, न मुक्ति का एहसास। लगता है जैसे

इस सुरंग ने उसे एक दूसरी सुरंग के मुहाने पर छोड़ दिया है—फिर एक और यात्रा—वैसा ही अंधकार, वैसा ही अकेलापन।

(*iv*) यह सब बंगाल के जादू से हुआ है। और क्या, पहले तो ऐसा कभी नहीं था। उसने कई बार अपने शरीर को छू-छूकर देखा है। कहाँ हैं वे आँखें, कहाँ हैं वे कान ? पर दिखते नहीं, जादू की चीजें कहीं दिखती हैं ? वे आँखें कभी नहीं दिखतीं, पर उन आँखों से देखे हुए दृश्य बार-बार दिखते हैं और दिखते ही चले जाते हैं, ठीक ऐसे जैसे सब कुछ सामने ही हो रहा हो। और जो सामने होता है, सब गायब हो जाता है। बाहर की आँखें खुले-खुले ही बंद हो जाती हैं।

किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 12

(*i*) रमानाथ का चरित्रांकन कीजिए।

(*ii*) 'गबन' उपन्यास आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद का अच्छा उदाहरण है'—स्पष्ट कीजिए। ग़बन की मूल समस्या पर विचार कीजिए।

(*iii*) 'आपका बंटी' उपन्यास में लेखिका ने नारी मन की परतों को उघाड़ कर रख दिया है'—स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) शकुन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. निबंध **अथवा** एकांकी के विकास का अंकन कीजिए। 10

6. आत्मकथा **अथवा** व्यंग्य साहित्य की विकास-यात्रा का उल्लेख कीजिए। 10